

# डॉB केनेथ मैथ्यूजः उतपत्तः सत्र CČE वाचा समारोह और संकेतः भाग C © 2024 केनेथ मैथ्यूज और टेड हलिडेब्रांट

सत्र 12 अब्राहम के साथ कए गए वाचा समारोह और वाचा चहिन से संबंधित है। आपको पछिली बार याद होगा कि हम अब्राहम की यात्राओं के बारे में बात कर रहे थे, और अध्याय 14 में राजाओं के दो समूहों, पूर्वी राजाओं के समूह और फरि पश्चिमी राजाओं के संघ, जसिमें सदोम का राजा भी शामिल था, के बीच हुए युद्ध का वर्णन करने का अवसर था। राजाओं के पूर्वी समूह ने पश्चिमी को हराया और उनके लोगों सहित उनकी संपत्तिका अपने इनाम के रूप में ले लिया और उत्तर की ओर चले गए।

अब्राहम को पता चला कलित और उसके परिवार को ले जाया गया है, इसलिए अब्राहम ने अपनी सेनाएँ इकट्ठी कीं और लूत और उसके परिवार को बचाने के लिए दौड़ पड़े, जसिमें वह सफल रहा। वापस लौटने पर, उसकी मुलाकात दो राजाओं से हुई, और इसे कभी-कभी दो राजाओं की कहानी कहा जाता है। उससे बात करने वाला पहला राजा शालेम का राजा था, संभवतः यरूशलेम का।

उसका नाम मेलकीसेदेक है, और मैं मेलकीसेदेक के बारे में बताना चाहता हूँ और जब वह अब्राहम से मिलने के लिए शहर से बाहर आया तो क्या हुआ। इब्रानियों के लेखक ने मेलकीसेदेक के चरित्र पर समय बताया है, जो उसके और प्रभु यीशु मसीह के बीच समानता दर्शाता है। दूसरा राजा सदोम का राजा है, और इन दोनों राजाओं के बीच का अंतर इससे अधिक स्पष्ट नहीं हो सकता था।

सदोम के राजा के मामले में, उसने अपनी संपत्तिका एक हसिसा वापस करने के लिए बातचीत की, और फरि अब्राहम कुछ अपने पास रख सकता है। लेकिन अब्राहम कहता है कि वह इसमें से कुछ भी नहीं लेगा, ऐसा न हो कि सदोम का राजा यह दावा करे कि उसने अब्राहम को अमीर बनाया है, जबकि अब्राहम अपनी सारी संपत्तिका और अपनी सुरक्षा प्रभु परमेश्वर को देना चाहता है, जैसा कि परमेश्वर ने अब्राहम के साथ की गई वाचा में वादा किया है। अब, जब बात मेलकीसेदेक की आती है, तो इब्रानियों के लेखक मेलकीसेदेक के चरित्र की व्याख्या करेंगे, लेकिन ऐसा करते समय, वह एक ऐसे साधन का उपयोग करेंगे जो हमारे लिए सामान्य नहीं है, लेकिन पहली शताब्दी में बहुत स्वीकार्य और समझने योग्य है।

इब्रानियों के लेखक जो करेंगे वह यह है कि वह एक प्रकार-प्रतिरूप तैयार करेंगे, दूसरे शब्दों में, एक सादृश्य जहां मेलकीसेदेक एक प्रकार है, हम कह सकते हैं कि पूर्वाभास, और फरि संगत प्रतिरूप, संगत प्रकार यीशु मसीह होगा और स्वीकार करेगा कि उनमें क्या समानता है। यह हर बंदी पर एक सादृश्य होने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन केवल वे ही हैं जो लेखक द्वारा चुने गए हैं जो मेलकीसेदेक की व्याख्या करना चुनते हैं और वह कैसे यीशु मसीह का पूर्वाभास हो सकता है। इसलिए इब्रानियों के लेखक के संदर्भ में बंदी यह है कि यीशु मसीह एक पुजारी क्रम में हैं, दूसरे शब्दों में, पुजारी वंश का एक क्रम जो पुराने नियम में पाए जाने वाले इज्राइल के पुजारियों से अलग है।

यह लेवी के गोत्र के साथ है, और विशेष रूप से हारून के परिवार के साथ, जो उसके बाद की वंशावली में एक उच्च पुजारी है। वह जो परदरशति करना चाहता है वह यह है कि जब हारून, उच्च पुजारी की बात आती है, तो उसके पास प्रतबिंध हैं। मेरा मतलब है कि सीमाएं।

उदाहरण के लिए, उसके लिए हर सुबह, हर शाम बार-बार बलदिन चढ़ाना जरूरी था। और फिर वार्षिक प्रायश्चिति दविस, जिसकी चर्चा लैव्यव्यवस्था अध्याय 16 में की गई है, को हर साल दोहराया जाना था क्योंकि इस पुरोहिती वर्ग द्वारा चढ़ाया गया बलदिन पूरी तरह से संतोषजनक नहीं था। इसने लोगों के पाप का एक अस्थायी समाधान प्रदान किया, लेकिन लोगों के पाप का अंतिम पूर्ण समाधान यीशु मसीह द्वारा पूरा किया गया।

उसका पुरोहितत्व हमेशा के लिए है, और यह मृत्यु तक सीमिति नहीं है, जैसा कि हारून और उसके पीछे चलने वाले सभी लोगों के मामले में था। इसलिए, यह वही है जो इब्रानियों के लेखक के बारे में बात करते समय ध्यान में आता है क्योंकि वह उन ईसाइयों से बात करता है जो उत्पीड़न के कारण यहूदी परंपरा में वापस लौटने के लिए लुभाए जा सकते हैं, न कि आगे बढ़ने के लिए, मसीह को प्राप्त करने के बाद, और मसीह का अनुसरण करने के लिए। तो, आइए इब्रानियों के अध्याय 7, श्लोक 1 से 4 को देखें, और यदि आप उत्पत्तिको अध्याय 14, श्लोक 18 से 20 तक खोलते हैं, तो हम उस सादृश्य को देख सकते हैं जैसे लेखक ने इब्रानियों के लिए तैयार किया है।

यह रहस्यमयी व्यक्ति मेलकीसेदेक, पद 1 में लिखा है, यह मलकीसेदेक शालेम का राजा था, और जैसा कि मैंने पहले कहा, संभवतः यरुशलेम, और परमप्रधान परमेश्वर, एल एलयोन का पुजारी था। और अध्याय 14 पद 18 में यही मलकीसेदेक और अब्राहम का परमेश्वर है। अब पद 22 में, हमें बताया गया है कि परमप्रधान परमेश्वर यहोवा है।

परमप्रधान परमेश्वर एक ऐसी अभिव्यक्ति है जो मेलकीसेदेक जैसे किसी व्यक्ति के लिए सामान्य होती, जो परमेश्वर, परमप्रधान परमेश्वर के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति की भाषा का उपयोग करता। लेकिन जब वह अध्याय 14 में कहता है, स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माता, तो यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है कि वह कई देवताओं का उपासक नहीं है। वह बहुदेववादी नहीं है।

लेकिन यह अच्छी तरह से हो सकता है कि अब्राहम उसे यह स्पष्ट रूप से समझने में मदद करेगा कि ईश्वर कौन है, पद 22 में एल एलयोन को यहोवा के साथ जोड़कर। अब, यह कहने के बाद, इब्रानियों अध्याय 7 पर वापस जाएं। यह मलकिसिदिक शालेम का राजा और परमप्रधान ईश्वर का पुजारी था। इसलिए, वह राजा और पुजारी दोनों है।

लेवी के गोत्र में महायाजक हारून के मामले में ऐसा नहीं होगा क्योंकि शाही व्यक्तियों, दाऊद, राजा दाऊद का गोत्र यहूदा का गोत्र होगा। इसलिए, पुजारी राजा बनने के योग्य नहीं हो सकता था, और राजा हारून के करम में महायाजक बनने के योग्य नहीं था। लेकिन मेलकीसेदेक, जो एक कनानी राजा है, दोनों पद भूमिकाएं एक ही व्यक्ति, मेलकीसेदेक में पाई जाती हैं।

कनान और आस-पास के पड़ोसी देशों की प्राचीन दुनिया में यह असामान्य नहीं रहा होगा कि राजा एक पुजारी के रूप में भी काम करता था और राजा के देवताओं को बलि चढ़ाता था। लेकिन यीशु मसीह, देखिए यह इब्रानियों के लेखक का तर्क है, यह तर्क दे रहा है कि यीशु में जो कुछ है वह पुजारी और राजा दोनों है।

राजा दाऊद के वंशज होने के कारण राजा, और फरि पुजारी क्योंकि विह मलकिसिदिक के पुजारी करम में है।

हम यीशु मसीह में वह पर्याप्तता पाते हैं जो अकेले राजा दाऊद या अकेले महायाजक हारून में नहीं पाई जा सकती। अध्याय 7, पद 1 में आगे बढ़ते हुए, वह, अर्थात् मलकिसिदिक, राजाओं को हराने के बाद लौट रहे अब्राहम से मिला और उसे आशीर्वाद दिया। और अब्राहम ने उसे सब कुछ का दसवां हिस्सा दिया।

इसलिए, तब स्वीकृति का कार्य हुआ और अब्राहम की प्रतिक्रिया में प्रभु परमेश्वर के एक साथी उपासक के रूप में मेलकीसेदेक की पहचान को पारस्परिक रूप से स्वीकार किया गया। अब इब्रानियों के लेखक मेलकीसेदेक के चरित्र का वर्णन करने के लिए एक अवसर का लाभ उठाने जा रहे हैं। सबसे पहले, मेलकीसेदेक नाम का अर्थ है धार्मिकता का राजा।

यदि आप मेलकीसेदेक शब्द को देखें, तो उस नाम का अंतिम शब्द, जेडेक, हबिरू में धार्मिकता के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है। राजा का मतलब मेलेक होगा, और मैं मेलकी, मैं बस एक संबंध है। या इसे धार्मिकता के मेरे राजा के रूप में पढ़ा जा सकता है।

धार्मिकता का राजा फरि मेलकीसेदेक को राजा के रूप में वर्णित करता है, लेकिन एक राजा जो ईश्वरीय ईमानदार व्यवहार करता है। फरि शालेम का राजा भी। शालेम शांति के लिए हबिरू शब्द के करीब है, और आप इसे शालोम के रूप में जानते होंगे।

इसलिए, वह इसे मलकिसिदिक को धार्मिकता के राजा के रूप में, शांति के राजा के रूप में, केवल उसके नाम के आधार पर वर्णित करने के अवसर के रूप में लेता है। और इसलिए आप देख सकते हैं कि विह यीशु का वर्णन उसी करम में कर रहा है, जो पूरी तरह से धार्मिक था और परमेश्वर के राज्य के माध्यम से शांति भी प्रदान करता था। फरि पद तीन, बनिा पतिता या माता के, बनिा वंशावली के, बनिा दानों की शुरुआत या जीवन के अंत के, परमेश्वर के पुत्र के सदृश, वह हमेशा के लिए एक पुजारी बना रहता है।

यहाँ मुद्दा यह है, जैसा कि मैंने पहले बताया, कि मलकिसिदिक अचानक इस कथा में बनिा किसी वंशावली या उसके बाद किसी उत्तराधिकारी के प्रकट होता है। ऐसा लगता है कि उसके माता-पिता या संतान नहीं है। अब, मुझे नहीं लगता कि मुद्दा यह है कि विह एक द्रव्य होना चाहिए।

अब, वह, हालांकि, इस बात का उदाहरण है कि कैसे परमेश्वर के पुत्र, यानी यीशु की कोई शुरुआत नहीं है और न ही उसका कोई अंत है। और इसलिए, उनके पुजारी, कथा में मेलकीसेदेक के अचानक प्रकट होने की तरह, कोई शुरुआत नहीं है और न ही उसका कोई अंत है, और इसलिए एक शाश्वत पुजारी। यह वह जगह है जहाँ कभी-कभी एक सादृश्य को संपूर्ण नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि व्याख्याकार की ओर से चयनात्मक माना जाना चाहिए।

इसलिए, वह तीसरे पद में कहता है, जैसा न्यू इंटरनेशनल वर्जन के साथ पढ़ते हुए, परमेश्वर के पुत्र के समान, वह हमेशा के लिए एक पुजारी बना रहता है। इसलिए, लेखक यह स्पष्ट करता है कि विह एक सादृश्य बना रहा है और यह सादृश्य मेलकीसेदेक के अनुभव और हम मेलकीसेदेक के बारे में क्या सीख सकते हैं, पर निर्भर है। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूँ

क्योंकि कुछ लोग मानते हैं, बहुत से लोग मानते हैं, और ऐतिहासिकी रूप से मानते आए हैं कि मेलकीसेदेक सुसमाचारों में पाए जाने वाले उनके अवतार से पहले यीशु मसीह का एक रूप है।

हम जानते हैं कि पुराने नयिम के अन्य अंशों से यह विश्वास करने का कारण है, जहाँ यह मामला है, कि हमारे पास यीशु मसीह का पूर्व-अवतार प्रकटीकरण है। तो, चाहे यह मामला ही कि मेलकीसेदेक वास्तव में पूर्व-अवतार प्रकटीकरण है, या वह एक मानव है, कुल मिलाकर एक मानव प्राणी है, जो फिर भी इन विशिष्ट तरीकों से यीशु मसीह की विशेषताओं का अनुकरण करता है, एक तरह से या दूसरे तरीके से, बात बन जाती है। श्लोक चार, जरा सोचिए कि वह कतिना महान था।

यहाँ तक कि कुलपति अब्राहम ने भी उसे लूट का दसवाँ हिस्सा दिया। अब यहाँ जो बात इब्रानियों के लेखक ने कही है वह यह है कि पाठकों, यहूदी पाठकों के मन में अब्राहम से बड़ा कोई नहीं था। अब्राहम हब्रू लोगों का पिता था।

अब्राहम उस वाचा के पिता थे जो परमेश्वर ने पूरे इसराएल के साथ की थी। फिर भी अब्राहम ने खुद मेलकीसेदेक की श्रेष्ठता को स्वीकार किया और लूट का दसवाँ हिस्सा पेश करके मेलकीसेदेक को सम्मानित किया। इसलिए जब यीशु मसीह कौन है, उसका पुरोहितत्व कैसा है, परमेश्वर पिता और मनुष्य के बीच मध्यस्थ के रूप में उसकी पर्याप्तता, और कैसे उसके बलदान के द्वारा, वह न केवल पुजारी है, बल्कि वह एक बलदान भी है क्योंकि उसने अपने शरीर को पूरी तरह से और पूरी तरह से परमेश्वर को बलदान के रूप में दे दिया, तो मेलकीसेदेक एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति है।

अतः परमेश्वर के पुत्र के रूप में, तथा पूर्णतः मानवीय होने के नाते, उनका बलदान पूर्णतः पर्याप्त है, जो उन्हें मानवता का स्थान लेने, मृतकों में से पुनर्जीवित होने, तथा उन सभी को नया जीवन प्रदान करने के लिए सक्षम बनाता है जो उन्हें उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करेंगे, बहुत पहले, उत्पत्ति 3 पद 15 में प्रतजिज्ञात मुक्तदाता, तथा नूह में पीया जाने वाला मुक्तदाता, तथा फिर स्वयं अब्राहम, जो मुक्तदाता के आने का माध्यम होगा, और जब बात नए नयिम की आती है तो हम इस विषय में संपष्ट हैं। इसलिए मैं इस संदर्भ में उल्लेख कर सकता हूँ, गलातियों 3 पद 8, पवतिरशास्त्र ने पहले ही देख लिया था कि परमेश्वर न्यायोचित ठहराएगा, सही सम्बन्ध की घोषणा करेगा, कि परमेश्वर अन्यायजातियों को विश्वास के द्वारा न्यायोचित ठहराएगा, अर्थात् अन्यायजातियों द्वारा यीशु मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करना और प्राप्त करना, स्वयं को प्रभु यीशु मसीह को सौंपने की अभिव्यक्ति, वे सही घोषित किए जाते हैं, और यह बहुत ही आश्चर्यजनक है, पवतिरशास्त्र ने पहले ही देख लिया था और अब्राहम को सुसमाचार की घोषणा कर दी थी, तुम्हारे द्वारा सभी राष्ट्र आशीषित होंगे, और यह अध्याय 12 पद 3 की याद दिलाता है, कि यह योजना बहुत पहले अब्राहम के साथ थी, जिसके द्वारा परमेश्वर सभी लोगों, यहूदियों और अन्यायजातियों पर आशीष लाएगा, और यही कारण है कि गलातियों 3 पद 8 में पौलिस, सुसमाचार की घोषणा पहले ही कर सकता है, सक्षम रूप में, फिर सुसमाचार अब्राहम की वाचा में अंतरहित है, सभी राष्ट्र तुम्हारे द्वारा आशीषित होंगे अब्राहम, और विशेष रूप से, यह अब्राहम का वंशज, यीशु मसीह है, जो यह शुभ समाचार, यह घोषणा प्रदान करता है, और उद्धार प्रदान करता है, वह इसकी घोषणा करता है, और वह इसे उन सभी के लिए प्रदान करता है जो राज्य में प्रवेश करेंगे विश्वास से परमेश्वर। और फिर एक और नया नयिम अंश, इब्रानियों 11 पद 8 से पद 10 तक, विश्वास से अब्राहम, जब उसे एक ऐसे स्थान पर जाने के लिए बुलाया गया जिसे वह बाद में अपनी वरिसत के रूप में प्राप्त करेगा, तो उसने आज्ञा का पालन किया और चला गया, भले ही

वह नहीं जानता था कि वह कहाँ जा रहा है, विश्वास से उसने एक विदेशी देश में एक अजनबी की तरह वादा किए गए देश में अपना घर बनाया, वह अपने उत्तराधिकारियों इसहाक और याकूब की तरह तंबुओं में रहता था, जो उसके साथ उसी वादे के वारिस थे, क्योंकि अब्राहम नीव वाले शहर की प्रतीक्षा कर रहा था, जिसका वास्तुकार और निर्माता परमेश्वर है, इसलिए हम अंतर देखते हैं, जब वह देश में था, जैसा कि उत्पत्ति विवरण करती है, वह तंबुओं में रहता था, लेकिन वह उस दिन की लालसा करता था जब नीव वाला एक शहर होगा, अडगि नीव, एक स्थायी वरिसत, और वह जानता था कि यह केवल परमेश्वर के द्वारा ही हुआ है।

इसलिए, जैसा कि इब्रानियों के लेखक ने अध्याय 11 में कहा है, विश्वास की प्रसिद्धि का हॉल, हम कह सकते हैं, विश्वास के इन सभी महान नायकों की वरिसत, उन्होंने कभी भी वरिसत के स्थायी अधिकार में प्रवेश नहीं किया, यह अभी भी उनका इंतजार कर रहा था, और हम भी उन सभी विश्वासियों के साथ शामिल होंगे जो उस आध्यात्मिक वरिसत को प्राप्त करेंगे जो परमेश्वर ने हमें दी है, विश्वास के पतिओं के लिए और हम सभी के लिए भी जिन्होंने उनके नकशेकदम पर चलना शुरू किया है। इसलिए अब हम अपना ध्यान अध्याय 15, 16 और 17 में अब्राहम की कहानी के केंद्र की ओर मोड़ने की स्थिति में हैं। जब अध्याय 15 की बात आती है, तो हमारे पास उस वाचा की पुष्टि होगी जिसकी घोषणा अध्याय 12 में एक समारोह के आधार पर की गई थी, और फिर अध्याय 17 में, हम पाएंगे कि वाचा का एक संकेत है, और वह है खतना।

अध्याय 16 के बीच में सैंडविच है। यहाँ, हमारे पास एक संभावित प्रतद्विंद्वी, इश्माएल का प्रचिय है, जो अब्राहम से पैदा हुआ था, और सारा की दासी, एक मिस्री महिला जिसका नाम हैगर है। इसलिए, अध्याय 15, 16 और 17 की व्यवस्था की ओर से यह बहुत ही जानबूझकर किया गया है कि अध्याय 16 में ऐसे अवसर भी हैं जहाँ परमेश्वर अब्राहम को आश्वासन देता है कि उसका अभी भी एक बेटा होगा जो वरिसत का वादा पाने वाला प्रिय पुत्र होगा जिसके माध्यम से सभी राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद आएगा।

अब, आइए अध्याय 15 में वाचा के समारोह पर अपना ध्यान केंद्रित करें, और यहाँ आप संरचना का एक महत्वपूर्ण पहलू देखेंगे। अध्याय 15, पद 1 में लिखा है, इसके बाद प्रभु का वचन अब्राहम के पास एक दर्शन में आया, और प्रभु के दर्शन के साथ एक दर्शन, लेकिन साथ ही प्रभु बोलता है और समझाता है, अब्राहम को वाचा समारोह के बारे में जो होने वाला है उसके महत्व को समझने में मदद करता है। इसलिए, पद 1 से 6 पहला खंड होगा।

अध्याय के अंत में श्लोक 7 से श्लोक 21 तक इसके समानांतर होगा। श्लोक 1 से 5 तक वंशजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, यानी संतान का वादा। श्लोक 6 एक महत्वपूर्ण श्लोक है।

इसके लिए बहुत स्पष्टीकरण की आवश्यकता है क्योंकि हम इसे नए नियम में उद्धृत पाते हैं और नए नियम के व्याख्याकारों द्वारा सुसमाचार में अब्राहम के विश्वास की अभिव्यक्तियों के रूप में उपयोग किया जाता है। श्लोक 7 से 21 भूमि के वादे से संबंधित है, इसलिए हमारे पास तीन वादों में से दो हैं। तीसरा नहित है और वह आशीर्वाद है।

तो, हमारे पास एक महान राष्ट्र बनने का वादा है, संतान का वादा है, और हमारे पास भूमि पर अधिकार करने का वादा है, जो कि कनान है, और फिर समझ में आया कि

तीसरा वादा चल रहा है, ऊपर और चल रहा है। तो अब आइए अब्राहम के प्रस्ताव को देखें। आपको याद होगा कि यह दो राजाओं के प्रकरण के ठीक बाद है, और अब्राहम ने उन धन-संपत्तियों को अस्वीकार कर दिया है जो वह अपने लिए ले सकता था, लेकिन अपनी प्रतष्ठा में परमेश्वर को पहले स्थान पर रखा।

इसलिए अब परमेश्वर उसे आश्वस्त करना चाहता है कि उसका निर्णय सही था और उस पर, यानी प्रभु पर भरोसा किया जा सकता है। इसलिए, वह कहता है, डरो मत, अब्राहम। मैं तुम्हारी ढाल हूँ।

देखो, ढाल एक रक्षात्मक हथियार है। मैं तुम्हारी सुरक्षा हूँ, तुम्हारा बहुत बड़ा इनाम हूँ। ध्यान दें कि इसमें बहुत बड़ा इनाम लिखा है।

जबकि सदोम के राजा ने अब्राहम को एक समझौतापूर्ण इनाम की पेशकश की, जब बात प्रभु की आती है, तो वह उसे उचित इनाम देगा। और अब्राहम के लिए यह पहली श्रेणी का वचन है, ठीक है, संतान कहाँ है? उस तनाव के कारण, अब्राहम और सारा को बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ता है। एक बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द-खेल है जैसे हम अध्याय 15, पद 1 के बीच देखना चाहते हैं, जहाँ यह कहा गया है, मैं तुम्हारी ढाल हूँ क्योंकि ढाल शब्द अध्याय 14 में आए एक शब्द पर एक शब्द-खेल है।

और अगर आप इसे पद 20 में देखें, तो यह मलकिसिदिक के आशीर्वाद के संदर्भ में है। पद 20 में लिखा है, मलकिसिदिक बोल रहा है, और धन्य है परमप्रधान परमेश्वर, जिसने छुटकारा दिलाया, आप उस शब्द को रेखांकित कर सकते हैं, तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे हाथ में सौंप दिया। और यही यहाँ ध्यान में रखा गया है: परमेश्वर ने अब्राहम के शत्रुओं को छुड़ाया है।

इसका संबंध उन लोगों से है जिन्होंने उसके भतीजे लूत को ले लिया और न केवल पूर्वी राजाओं के संघ की शत्रुता बल्कि उन सभी लोगों से भी जो अब्राहम के पड़ोसी हैं, विशेष रूप से यहाँ सदोम के राजा का नाम लिया गया है। लेकिन मुद्दा यह है कि भगवान ने उद्धार किया है और परिणामस्वरूप, भगवान को एक ढाल के रूप में देखा जा सकता है। यह श्लोक 2 में पढ़ा जाता है, अब्राहम द्वारा किया गया एक प्रस्ताव, हे प्रभु, और यह भाषा है एल शददाई, एल शददाई, हे प्रभु, प्रभु, प्रभु, आप मुझे क्या दे सकते हैं क्योंकि मैं नसितान हूँ, और जो मेरी संपत्ति का वारिस होगा वह दमशिक का एलीआजर है? और अब्राम ने कहा, आपने मुझे कोई संतान नहीं दी है, इसलिए मेरे घर का एक नौकर मेरा वारिस होगा।

अब, यह अब्राहम द्वारा किया गया एक प्रस्ताव है जो उसके दिनों में पूरी तरह से स्वीकार्य था। हम इसे मेसोपोटामिया में एक समाचार साइट से जानते हैं, और वहाँ के लोगों का समूह हुरयिन के नाम से जाना जाता था, और हुरयिन के पास यह प्रथा थी, और संभवतः प्राचीन नकिट पूर्व में कहीं और भी। हम जानते हैं कि हम अनुमान लगा सकते हैं कि घर में एक नौकर को गोद लेना एक नसितान दंपत्ति के लिए एक विकल्प हो सकता है, और यही बात उसके दमिग में है।

अब, ध्यान दें कि एलीआजर दमशिक से है। वह हबिरू नहीं बल्कि गैर-यहूदी है। तो यह अब्राम का प्रस्ताव है, जो उसका उत्तराधिकारी होगा।

अब , जब हम प्रभु की प्रतिक्रिया देखते हैं, तो यह व्यक्ति आपका उत्तराधिकारी नहीं होगा, बल्कि आपके अपने शरीर से आने वाला पुत्र आपका उत्तराधिकारी होगा। इसलिए, वह कह रहा है और अब्राहम के उत्तराधिकारी को पहचान को सीमिति कर रहा है। उसे आपके अपने शरीर से आना होगा।

गोद लेने की कोई संभावना नहीं है, लेकिन परेशान मत होइए। जैसा कि मैंने पहले वादा किया था, मैं फिर से वादा करता हूँ कि आपके वंशजों की संख्या बहुत अधिक होगी, और वे सतारों की तरह असंख्य होंगे। पहले अध्याय 13 में, आपको याद होगा, उसने वादा किया था कि उसके वंशज धूल के समान असंख्य होंगे।

अब, हम उत्पत्ति में एक बहुत ही महत्वपूर्ण श्लोक पर आते हैं, और इस मामले में, पूरी बाइबल। क्योंकि विरणन करता व्याख्या करता है कि क्या हो रहा है और श्लोक 6 में इसका वर्णन करता है, अब्राहम ने प्रभु पर विश्वास किया। अब, जब यह कहा जाता है, अब्राहम ने प्रभु पर विश्वास किया; वह प्रभु द्वारा किए गए वादे के बारे में बात कर रहा है।

सबसे पहले, अध्याय 12 में, वादों की घोषणा है, और फिर यहाँ, नवीनीकरण है, परमेश्वर की प्रतिक्रिया, वादों के आश्वासन के बारे में फिर से बोल रही है। अब्राहम को बस इतना करना था कि परमेश्वर ने जो कहा, प्रभु के वचन पर विश्वास करे। और वह, यह प्रभु को संदर्भित कर रहा है, और ध्यान दें कि प्रभु सभी बड़े अक्षरों में है, और ये संकेत देते हैं कि हेब्रू परमेश्वर का व्यक्तिगत नाम है, यहोवा।

और यहोवा ने इसे अब्राहम के लिए धार्मिकता का कार्य माना। इसलिए उसने, प्रभु के वचन में अपने विश्वास के आधार पर, जैसा कि उसे स्वयं परमेश्वर द्वारा प्रस्तुत किया गया था, इस दर्शन में उस पर विश्वास किया। उसने खुद को और अपने भविष्य को परमेश्वर के हाथों में सौंप दिया।

और इसलिए, प्रभु ने उसे मूल्य दिया और विश्वास के इस अंगीकार का मूल्य स्वीकार किया। और इसलिए, उसे प्रभु के साथ सही संबंध रखने की घोषणा की। अब, मुझे नहीं लगता कि यह पहली बार था कि अब्राहम ने प्रभु पर विश्वास किया।

जब वह ऊर और हारान से चला गया तो उसने विश्वास के साथ जवाब दिया था। और जब उसे वादे माले, तो अध्याय 12, श्लोक 4 में कहा गया है कि उसने तुरंत जवाब दिया। और फिर कनान में जगह-जगह उसने वेदियाँ बनाई और प्रभु की आराधना की।

तो, आप देख सकते हैं कि उसके पास पहले से ही विश्वास है, लेकिन अब यह स्पष्ट हो गया है, टपिपणीकार द्वारा सीधे निरिदषिट किया गया है, जो कि किथावाचक है। अब, शब्द श्रेय हमारे लिए एक दलिचस्प शब्द है क्योंकि यह उसी में है; यह एक ही मूल का नहीं है, लेकिन गनिती की एक ही अर्थपूर्ण सीमा है। और यह इस अर्थ में श्रेय की गनिती है कि इसे भगवान ने मूल्यवान और स्वीकृत माना था।

वादों की गनिती सच थी। मैंने इसलिए उल्लेख किया कि श्रेय शब्द उसी डोमेन में है, गनिती के कषेतर में; हालाँकि यह एक अलग शब्द है, लेकिन इसका अर्थ समान है क्योंकि हमने पहले श्लोक में जो पाया था वह सतारों की गनिती से संबंधित था। इसलिए, आपकी संतान होगी।

इसलिए, उसके विश्वास, परमेश्वर के वादे और पद 6 में अब्राहम के बारे में कहा गया है कि वह अब परमेश्वर की नजर में धर्मी है, के बीच एक संबंध है। यह अब्राहम की ओर से उत्पन्न धार्मिकता नहीं है, बल्कि यह धार्मिकता है जो विश्वास से आई है। अब, जिस लेखक की ओर हम नए नियम में मुड़ना चाहते हैं, जो इसका उपयोग यह समझाने के लिए करता है कि विश्वास क्या है, वह रोमियों 4 में पाया जाता है। और आइए रोमियों 4 में दो आयतों को देखें। रोमियों 4 में प्रेरति पौलुस जो करना चाहता है, वह अपने पाठकों को समझाना है, जिनमें से कई यहूदी पाठक थे और फॉरे रोम में चर्च में गैर-यहूदी पाठक भी थे, कि उद्धार विश्वास से आता है न कि मूसा द्वारा प्रस्तुत व्यवस्था का पालन करने से।

दूसरे शब्दों में, प्रेरति पौलुस के दानों के यहूदी इस्राएल के इतिहास में इतना पीछे नहीं गए कि वे मूसा और दस आज्ञाओं पर ध्यान केंद्रित करें, वह कानून जैसे परमेश्वर ने सनाई में प्रकट किया था। जैसा कि पौलुस ने समझाया, उन्हें हब्रू लोगों के पिता, इस्राएलियों के पिता, उस पिता के पास और पीछे जाना था जिसने परमेश्वर के वादों को सबसे पहले प्राप्त किया था, और वह अब्राहम होगा। और इसलिए वह हमारे उत्पत्ता अध्याय 15, 6 को उद्धृत करता है, और यह रोमियों अध्याय 4, पद 3 में पाया जाता है। पवित्रशास्त्र क्या कहता है? और, बेशक, पवित्रशास्त्र संकेत देगा कि रोम में यहूदी और गैर-यहूदी विश्वासियों ने आधिकारिक रूप से क्या प्राप्त किया था।

पवित्रशास्त्र परमेश्वर की आवाज़ थी जैसे परमेश्वर की आवाज़ के पूरण अधिकार के साथ बोलते हुए ग्रहण किया जाना था। तो, पवित्रशास्त्र ने क्या कहा? अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसके लिए धार्मिकता गाना गया। और अब, पद 9 में टपिपणी सुनें। क्या यह आशीर्वाद केवल खतना किए हुए लोगों के लिए है, यानी केवल उस यहूदी के लिए जिसने अब्राहम वाचा के संकेत के रूप में खतना करवाया है, या खतना न किए हुए लोगों के लिए भी? हम कहते रहे हैं कि यह अनर्था, राष्ट्र होंगे; हम कहते रहे हैं कि अब्राहम का विश्वास उसके लिए धार्मिकता गाना गया।

अब उनके तर्क का मुद्दा, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए, यह है कि उद्धार व्यवस्था से नहीं आया। अब्राहम व्यवस्था से पहले था। उसके पास पालन करने के लिए मूसा की व्यवस्था नहीं थी।

इसलिए, यदि अब्राहम को वास्तव में परमेश्वर द्वारा उसकी धार्मिकता के लिए मान्यता दी गई है, तो यह कानून द्वारा नहीं, बल्कि परमेश्वर द्वारा कहे गए वचन पर विश्वास द्वारा होना चाहिए। और यह भी ध्यान दें कि यह खतना से पहले हुआ था। खतना का वर्णन उत्पत्ता अध्याय 17 में किया जाएगा।

और वहाँ, अब्राहम के घराने के लोग, यानी उसकी संतान, जो अब्राहम से संतान और परिवार द्वारा पैदा हुए हैं, और इस समय उसका एकमात्र संतान, अध्याय 16, इशमाएल, और वे सभी जो परदेशी हैं, दूसरे शब्दों में, जो उसके घराने का हिस्सा बन गए हैं, लेकिन उसके प्रारंभिक परिवार समूह का हिस्सा नहीं हैं, उन सभी का खतना किया जाता है। तो, वह जो कह रहा है वह यह है कि खतना शुरू होने से पहले ही, उसे पहले से ही धर्मी घोषित कर दिया गया है। किस आधार पर? एक विश्वास के आधार पर।

और परमेश्वर ने जवाब दिया, उसे पुरस्कृत किया, और घोषित किया कि वह धर्मी है। वह यह नहीं कह रहा है कि अब्राहम एक पूर्णतया धर्मी व्यक्ति है, क्योंकि आखिरकार, हम न केवल अध्याय 15 से पहले, बल्कि उसके बाद भी देख सकते हैं कि अब्राहम ने



परभु के वरिद्ध पाप करना जारी रखा और अपनी आध्यात्मिक यात्रा में ठोकर खाई। लेकिन परमेश्वर के वचन में उसके विश्वास के कारण, परभु ने उसे सही स्थिति के साथ घोषित किया।

इसलिए, जब हम एक ईसाई आसक्ति के साथ तुलना करते हैं, तो हमारे पास वही साधन होते हैं जहाँ हमारे पास विश्वास शामिल होता है। एक ईसाई आसक्ति के पास विश्वास होता है, मुझे परभु यीशु मसीह में भरोसा या भरोसा शब्द पसंद है और यीशु मसीह ने अपने बारे में, परमेश्वर के राज्य और मसीह के बलदान के माध्यम से प्रावधान के बारे में जो घोषणा की थी। लेकिन साथ ही, हम यह भी देखना चाहते हैं कि अब्राहम के विश्वास का उद्देश्य, उसका विश्वास, वही है।

और जैसा कि हमारा उद्देश्य अब्राहम के समान ही है, ध्यान दें, यह कहता है, अब्राहम ने किस पर विश्वास किया? परभु, यहाँ परमेश्वर की पहचान, यही वा। और इसलिए, हम भी, ईसाईयों के रूप में जानते हैं कि जब हम खुद को यीशु मसीह को सौंपते हैं, तो हम जानते हैं कि हम खुद को परभु परमेश्वर को सौंप रहे हैं। क्योंकि शास्त्र हमें नए नियम में बताते हैं कि यीशु मसीह पूरी तरह से परमेश्वर हैं।

तो, हमारे पास यह समानता है। अब, क्रूस पर यीशु मसीह के बलदान के बारे में हमें क्या कहना है? खैर, क्रूस पर बलदान, निश्चित रूप से, समय में हुआ, लेकिन अनंत काल में भी हुआ। तो यह अब्राहम के सही स्थिति में होने की घोषणा का एक ही आधार है।

यीशु के बलदान की प्रकृति के बारे में सबसे स्पष्ट मार्ग प्रकाशिताक्य की पुस्तक, अध्याय 13, श्लोक 8 में पाया जाता है। पृथ्वी के सभी निवासी उस पशु की पूजा करेंगे जो परमेश्वर और उसके विश्वासी परिवार का वरिधी है, जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं। अब, यहाँ हमारा प्रासंगिक मार्ग है, मेमना, जो संदर्भ में स्पष्ट रूप से यीशु मसीह को संदर्भित करता है, एक मेमना जो दुनिया के निर्माण से मारा गया था। इसलिए, हम देखते हैं कि परमेश्वर के मन में, परमेश्वर की नजर में, सभी उद्धार का आधार, चाहे वह पुराने नियम का व्यक्त हो या नए नियम का व्यक्त, जैसा कि इब्रानियों के लेखक कहेंगे, यीशु मसीह की श्रेष्ठता, संतोषजनक बलदान पर निर्भर है।

तो, अब्राहम और ईसाई धर्म के बीच क्या समानता है? खैर, हमारे पास एक ही साधन है, यह विश्वास के द्वारा है। हमारा एक ही उद्देश्य है, परभु परमेश्वर, और हम पाते हैं कि एक ही आधार, यीशु का बलदान, चाहे पुराना हो या नया, समय-बद्ध नहीं है और न ही स्थान-बद्ध है। और इसलिए, यीशु के बलदान का प्रभाव अब्राहम और उन सभी लोगों के जीवन में पूर्वानुमानति, पूर्वानुमानति और प्रभावी था जो परमेश्वर के वादों में अपना विश्वास और भरोसा रखेंगे।

इसलिए, हमारे पास उद्धार के दो तरीके नहीं हैं। कई बार यह पूछा जाता है कि पुराने नियम में लोगों को कैसे बचाया गया था? वे उसी तरह से बचाए गए थे। और इसलिए, यह कानून का पालन करने से नहीं है।

वास्तव में, वे व्यवस्था का पालन नहीं कर सके। बार-बार, वे व्यवस्था का पालन करने में असफल रहे। और यह खतने के द्वारा नहीं था, क्योंकि खतने से पहले विश्वास आया था।

यह हमें उस अनुष्ठान की ओर ले जाता है जिसका वर्णन किया गया है। यह एक ऐसा समारोह है जो, हमें लगता है, प्राचीन नकिट पूर्व में पाए जाने वाले अनुष्ठान से मिला जुला है, जहाँ एक बलदान शामिल होता है। इसका सबसे नजदीकी विवरण यरिमयाह अध्याय 34, श्लोक 18

में मलिता है।

यह श्लोक 20 में भी है। यहाँ संदर्भ यह है कि ईसा से 600 वर्ष पहले भविष्यवक्ता यरिमयाह, यहूदा के लोगों को परमेश्वर की वाचा की आज्ञाओं का पालन न करने के लिए दोषी ठहरा रहा है। तो, श्लोक 18 में सुनें।

जनि लोगों ने मेरी वाचा का उल्लंघन किया है और मेरे सामने की गई वाचा की शर्तों को पूरा नहीं किया है, मैं उनके साथ वैसा ही व्यवहार करूँगा जैसा बछड़े को दो भागों में काटकर उसके टुकड़ों के बीच से चलता है। अब, जैसा कि हम उत्पत्तिका अध्याय 15 में पाते हैं, ठीक यही होता है, जहाँ परमेश्वर अब्राहम को जानवरों को लेने, उन्हें आधे में काटने और उन्हें विपरीत क्रम में रखने के लिए कहता है ताकि इन जानवरों के शरीर के अंगों के बीच एक गली, एक मार्ग बन जाए। यरिमयाह 34, श्लोक 19 पर वापस जाएँ, यहूदा और यरूशलेम के नेता, दरबारी अधिकारी, पुजारी और देश के सभी लोग बछड़े के टुकड़ों के बीच से चलते हैं।

अब, फरि से, इसका संबंध वाचा में शामिल दो पक्षों के उस समारोह से है जिसमें वे पशुओं को लेकर प्रदान की गई उस गलियारे या गली में आधे टुकड़ों से होकर चलते हैं। ऐसा करते हुए, वे समानांतर रूप से एक दूसरे के पार चलेंगे। और इस प्रकार, वे वाचा की शर्तों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर रहे हैं जो दो पक्षों के बीच वाचा में नामति की गई होंगी।

इसलिए यरिमयाह में बछड़े के टुकड़ों के बीच चलने की बात कही गई है। अब अध्याय 15 में जो कुछ घटित होता है, उसमें जो बात अलग है, वह यह है कि केवल एक ही दल है जो जानवरों के टुकड़ों के बीच चलता है। जैसा कि हम पद 12 में देखते हैं, हम पाते हैं कि जैसे ही दृश्य पर अंधेरा छाने लगता है, अब्राहम सो जाता है।

वह टुकड़ों के बीच नहीं चल रहा है। वह यहाँ गहरी नींद में लेटा हुआ है, ठीक उसी तरह की नींद जिसका वर्णन आदम ने उत्पत्तिका अध्याय दो में किया है जब उसकी पत्नी, ईव ने उसे अपनी तरफ से उठा लिया था। तो, इस गहरी नींद में, उसे एक रात्रि दर्शन होता है।

और प्रभु ने उससे कहा, और फरि वहाँ अब्राहम के वंशजों का क्या होगा, इसका वर्णन है, क्योंकि उन्हें चार शताब्दियों तक मसिर में रहना होगा, उसके बाद उन्हें छोड़ा जाएगा। और यह मूसा द्वारा है, फरि इसे श्लोक 17 में उठाया गया है। जब सूरज डूब गया था, और अंधेरा छा गया था, तो एक धुआँ उगलने वाला बर्तन और एक जलती हुई मशाल।

तो, यह एक पात्र है। इसमें धूप है। इसमें आग जलाई गई है।

और इसलिए, इस बर्तन से धुआँ निकल रहा है, इस बर्तन में एक जलती हुई मशाल है, यह दिखाई दिया और टुकड़ों के बीच से गुजरा। अब संदर्भ में, यह काफी स्पष्ट है। यह पार्टी है, भगवान स्वयं, वह वही है जैसा श्लोक 18 में उस दिन पढ़ा गया है, भगवान ने

अब्राहम के साथ एक वाचा बनाई और कहा, और फिर वह उन पार्टियों को सूचीबद्ध करता है जो देश में दिखाई दे रहे हैं, ये विभिन्न लोग समूह हैं।

अब, यरिमयाह की आयत 20 पर वापस आते हैं। यहाँ प्रभु क्या कहते हैं: मैं उन्हें उनके शत्रुओं के हाथ में सौंप दूँगा जो उन्हें मारना चाहते हैं; उनकी लाशें पक्षियों और जंगली जानवरों का भोजन बन जाएगी। यह शायद संकेतात्मक हो, केवल संकेतात्मक, कुछ हद तक अटकलबाजी।

यरिमयाह में यही बात कही गई है, जिसमें यह घोषणा की गई है कि वाचा का उल्लंघन करने वालों के शत्रुओं को युद्ध के माध्यम से मार दिया जाएगा, और उनके शव भोजन बन जाएंगे। तो क्या इसका मतलब यह हो सकता है कि जानवरों के अंगों को रखने से, यह एक प्रतीकात्मक संकेत था कि यदि आप वाचा संधि संबंध के अपने हिससे को पूरा नहीं करते हैं, तो आपको न्याय के लिए लाया जाएगा और जानवरों के समान ही भाग्य भुगतना होगा, अर्थात्, आप भगवान के न्याय के तहत मर जाएंगे। तो यह अनुष्ठान है।

यह अनुष्ठान तब आत्म-प्रशंसा हो सकता है। दूसरे शब्दों में, आप इस वाचा को लेकर हस्ताक्षर करके खुद को शाप देते हैं, जिसमें मृत्यु के शाप नहिंति है, यदि आप उनका उल्लंघन करते हैं, जैसा कि यरिमयाह के समय में यहूदा के नेतृत्व ने किया था। लेकिन चूँकि प्रभु ने अगला पात्र द्वारा प्रतिनिधित्व किया है, चूँकि वह वही है जो गुजरा है, इसलिए प्रभु वास्तव में अपने वादों को पूरा करने के लिए खुद को बाध्य कर रहा है।

और इसलिए, ऐसा करके, वह यह घोषित कर रहा है कि उसकी अपनी प्रतिष्ठा वाचा के वादों को सच्चाई से पूरा करने पर निर्भर है। और फिर, जैसा कि हमने अध्याय 12 में सुना, जहाँ वादे अब्राहम के लिए बिना किसी शर्त के कहे गए थे, यहाँ फिर से यह है, अब्राहम भागीदार नहीं है। वह समारोह में भागीदार नहीं है।

और इसलिए, वह परमेश्वर द्वारा वाचा में दिए गए वादों का प्राप्तकर्ता है। और इसलिए यह एक तरीका है। हम अब्राहम के जीवन में इसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद कर सकते हैं क्योंकि अब्राहम ने हमेशा प्रभु की आज्ञा नहीं मानी।

वह अपनी आध्यात्मिक यात्रा में कई बार असफल होगा। जब हमारा अगला सत्र होगा, तो हम अध्याय 17 में खतने के साथ वाचा बनाने की कहानी जारी रखेंगे। उसके लिए तैयारी करने के लिए, हम अगली बार अध्याय 16, हागर और इश्माएल की कहानी से नए सरि से शुरुआत करेंगे।